

शुभ ५ आज यह पत्रावली हमारे समक्ष
वास्तु निर्माण पेश हुई। पत्रावली का
एने पत्रावली का डाटा अध्ययन किया
डॉ. प्रथमा - ७३ स्वीकार किया जाता
है किन्तु निर्माण समझा है सिखा
जाकर शापित किया गया। पत्रावली
जैसन शुभार होकर नभर से कम है
वापस वास्तु दफ्तर है।